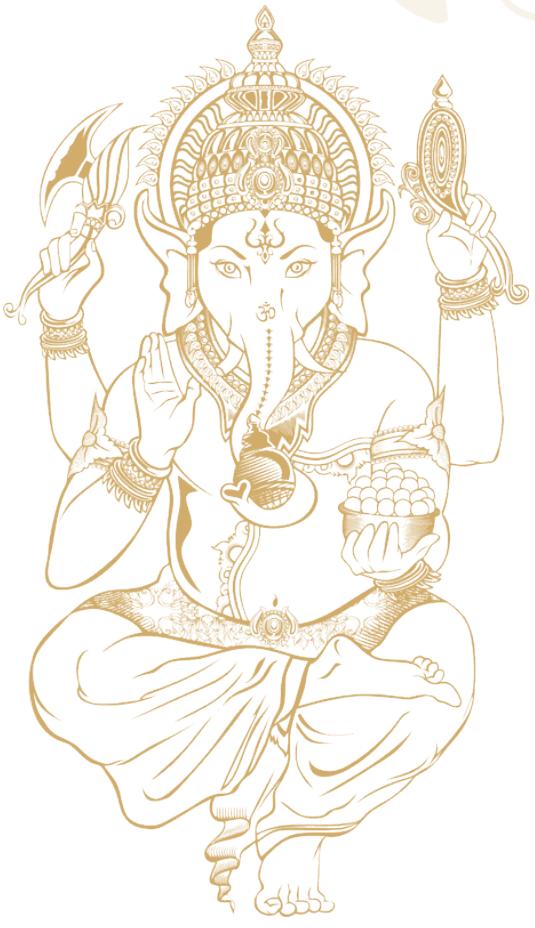

Karan Jyoti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119332602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/08/2003	जन्म तिथि	23/07/2001
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 06:45:00	जन्म समय	23:55:00 घंटे
घटी 01:59:54	जन्म समय(घटी)	45:42:04 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Sirhind
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	30:39:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	76:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:24:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:57:02	सूर्योदय	05:36:21
19:00:57	सूर्यास्त	19:24:24
23:54:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:28

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 14वर्ष 11मा 18दि	15:00:25	सिंह	लग्न	मेष	10:30:31	शुक्र 12वर्ष 2मा 2दि
गुरु	05:37:06	सिंह	सूर्य	कर्क	07:04:48	चन्द्र
10/08/2018	08:54:50	मिथु	चंद्र	सिंह	18:33:06	25/09/2019
10/08/2034	12:37:10	कुंभ व	मंगल	वृश्चि	21:20:13	25/09/2029
गुरु 27/09/2020	01:04:08	कन्या	बुध	मिथु	22:50:05	चन्द्र 25/07/2020
शनि 11/04/2023	05:08:55	सिंह	गुरु	मिथु	08:28:52	मंगल 23/02/2021
बुध 17/07/2025	06:48:01	सिंह	शुक्र	वृष	26:09:56	राहु 25/08/2022
केतु 22/06/2026	15:52:03	मिथु	शनि	वृष	17:33:37	गुरु 25/12/2023
शुक्र 20/02/2029	00:49:37	वृष व	राहु व	मिथु	12:17:54	शनि 26/07/2025
सूर्य 10/12/2029	00:49:37	वृश्चि व	केतु व	धनु	12:17:54	बुध 25/12/2026
चन्द्र 11/04/2031	06:59:24	कुंभ व	हर्ष व	मक	29:51:52	केतु 26/07/2027
मंगल 17/03/2032	17:23:28	मक व	नेप व	मक	13:41:19	शुक्र 26/03/2029
राहु 10/08/2034	23:20:27	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	18:54:48	सूर्य 25/09/2029

लग्न-चलित

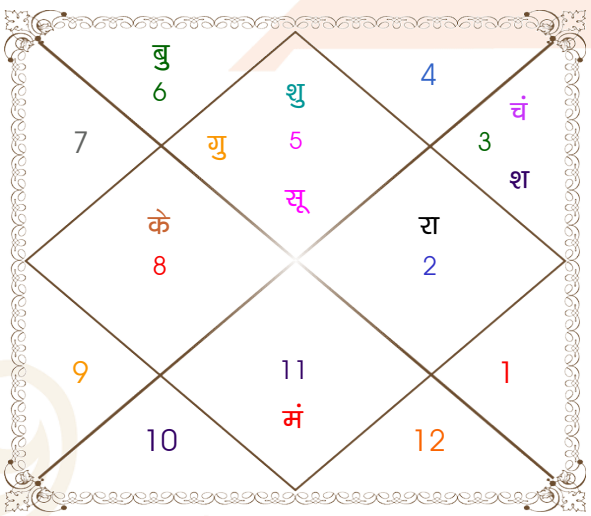

लग्न-चलित

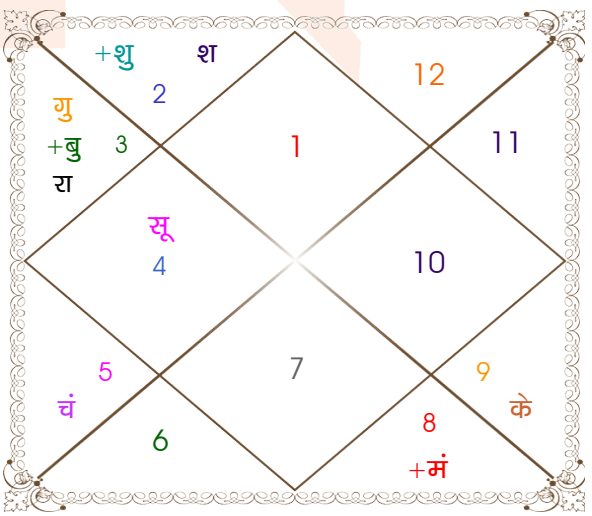

Leo AstroApt
Near Bcm School opposite Hi care Hospital Basant Avenue Dugri Ludhiana Punjab India
9041009000,7240001008,8010000138
deepakmishra131313@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

झंतंद का वर्ग मार्जार है तथा Jyoti का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झंतंद और Jyoti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

झंतंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि झंतंद कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Jyoti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jyoti कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Jyoti कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि झंतंद कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

झंतंद तथा Jyoti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।